जनजातीय क्षेत्रों से मलेरिया का उन्मूलन

1513. श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोला :
चौधरी हरमोहन सिंह :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश के अन्य क्षेत्रों की अपेक्षा जनजातीय क्षेत्रों में मलेरिया का प्रकोप अधिक होता है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या सरकार ने जनजातीय क्षेत्रों से मलेरिया का उन्मूलन करने के लिए कोई पृथक कार्यक्रम बनाया है ; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० सी० सिल्वेरा) : (क) और (ख) आदिवासी जनसंख्या देश की जनसंख्या का आठ प्रतिशत है लेकिन इन क्षेत्रों में देश में मलेरिया के कुल रोगियों के 36 प्रतिशत रोगी पाए जाते हैं।

(ग) और (घ) राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत मलेरिया नियंत्रण कार्यकलाप देशभर में चलाए जाते हैं जिनमें आदिवासी क्षेत्र भी शामिल हैं। आदिवासी बहुल जनसंख्या वाले सात उत्तर पूर्वी राज्यों में इन कार्यकलापों को तेज करने के लिए दिसम्बर, 1994 से अनप्रतिबंधित केन्द्रीय सहायता प्रदान की जा रही है। आन्ध्र प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात और राजस्थान राज्यों के आदिवासी क्षेत्रों में मलेरिया नियंत्रण के लिए विश्व बैंक सहायता प्राप्त करने के लिए एक प्रस्ताव भी तैयार किया जा रहा है।

बीमारियों पर काबू पाने के लिए दवाओं का छिड़काव

1514. चौधरी हरमोहन सिंह :
श्री ईशदत्त यादव :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुछ बीमारियों पर काबू पाने के उद्देश्य से अनेक दवाओं का छिड़काव करने के एक कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई गई है ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में पिछले तीन वर्षों के लिए लक्ष्य क्या थे और उनको किस हद तक प्राप्त किया गया है; और

(ग) लक्ष्यों की तुलना में लक्ष्य प्राप्ति कम रहने के क्या कारण हैं ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० सी० सिल्वेरा) : (क) मलेरिया, कालाजार और फाइलेरिया के नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रमों के अंग के रूप में कीटनाशकों का छिड़काव किया जा रहा है।

(ख) सूचना विवरण में दी गयी है। (नीचे देखिए)।

(ग) कमी का मुख्य कारण पहाड़ी और वन प्रदेशों के कुछ स्थानों तक न पहुंच पाना तथा अपने घरों के अन्दर कीटनाशक छिड़काव के प्रति लोगों की प्रतिरोधन क्षमता का होना है।

विवरण

विभिन्न रोगों से बचाव के लिए कीटनाशकों के छिड़काव संबंधी कार्यक्रम

वर्ष	छिड़काव से सुरक्षा के लिए लक्षित जनसंख्या मिलियन में				प्रतिशत में उपलब्धि			
	ग्रामीण मलेरिया (घरों में छिड़काव)	शहरी मलेरिया (लार्वा-नाशी)	कालाजार (घरों में छिड़काव)	फाइलेरिया (लार्वा-नाशी)	ग्रामीण मले.	शहरी मले.	काला-जार	फाइले-रिया
1992	109.4	71.9	54.6	43.7	79.3	100	97.4	100
1993	88.3	74.4	63.0	44.9	75.5	100	80.7	100
1994	44.9	76.9	55.3	46.1	82.3	100	93.7	100

"कालाजार" पर नियंत्रण हेतु कार्यक्रम

1515. **श्री आस मोहम्मद** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने "कालाजार" पर नियंत्रण के लिए एक कार्यक्रम चलाया हुआ है ;

(ख) यदि हां, तो इस योजना के अधीन राज्य-वार कितनी धनराशि प्रदान की गई है; और

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान इस दिशा में उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० सी० सिल्वरा) : (क) जी हां ।

(ख) वर्ष 1993–94 के दौरान बिहार और पश्चिम बंगाल की सरकारों को प्रदान की गई सहायता का ब्यौरा इस प्रकार है :—

राज्य का नाम	प्रदान की गई सहायता (लाखरुपए में)
बिहार	1723.66
पश्चिम बंगाल	140.47

(ग) इस रोग को फैलने से रोकने के लिए उठाए गए कदम इस प्रकार हैं :–

–प्रभावित क्षेत्रों में अवशिष्ट कीटनाशक छिड़काव शुरू करके वैक्टर नियंत्रण के माध्यम से संचरण की रोकथाम ।

–शुरू में ही रोग निदान और प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या पद्धति के मध्यम से पूरा उपचार ।